Speaking Tree Blog (1024.02)

ग्रहों की विशेष पूर्ण दृष्टि क्यों

सभी ग्रह सप्तम भाव को पूर्ण दृष्टि (चार पाद) से देखते हैं क्योंकि सप्तम स्थान अर्धांगिनी का स्थान है और अर्धांगिनी की रक्षा करना सभी का परम कर्तव्य हैं.

शनि देव की तीसरी और दसवीं दृष्टि को भी पूर्ण दृष्टि माना गया है, क्यों? शनि को सेवक की संज्ञा प्राप्त है और सेवक को अपने पराक्रम (तृतीय भाव) और कर्म (दशम भाव) से राज्य की रक्षा करनी होती हैं.

गुरु देव की पांचवीं और नौवीं दृष्टि को भी पूर्ण दृष्टि माना गया है, क्यों? राजगुरु/मंत्री होने ने नाते अच्छी शिक्षा व धर्म के रक्षार्थ पंचम व नवम पर पूर्ण दृष्टि बनाये रहते हैं.

मंगल देव को चौथी और आठवीं दृष्टि को पूर्ण दृष्टि माना गया है, क्यों? सेनानायक की संज्ञा मिलने के कारण राजा-प्रजा का सुख, राज्य की भूमि, राजा की आयु की रक्षा करने मंगल 4 और 8 भाव पर पूर्ण दृष्टि रखते हैं.

==========

सुशील अग्रवाल

http://hindi.speakingtree.in/blog/%E0%A4%97%E0%A5%8D%E0%A4%B0%E0%A4%B9%E0%A5%8B%E0%A4%82-%E0%A4%95%E0%A5%80-%E0%A4%B5%E0%A4%BF%E0%A4%B6%E0%A5%87%E0%A4%B7-%E0%A4%AA%E0%A5%82%E0%A4%B0%E0%A5%8D%E0%A4%A3-%E0%A4%A6%E0%A5%83%E0%A4%B7%E0%A5%8D%E0%A4%9F%E0%A4%BF-%E0%A4%95%E0%A5%8D%E0%A4%AF%E0%A5%8B%E0%A4%82